कुष्ठ रोग

पिछले कुछ महीनों से निजी बाज़ार में कुष्ठ रोग (Leprosy) के इलाज में इस्तेमाल होने वाली प्रमुख दवा क्लोफाज़िमाइन (Clofazimine) की भारी कमी बनी हुई है।

- क्लोफाज़िमाइन, रफिैम्पसिनि और डैप्सोन के साथ मल्टीबैसलिरी लेप्रोसी (MB-MDT) मामलों के [मल्टी-ड्रग ट्रीटमेंट]() में तीन आवश्यक दवाओं में से एक है।

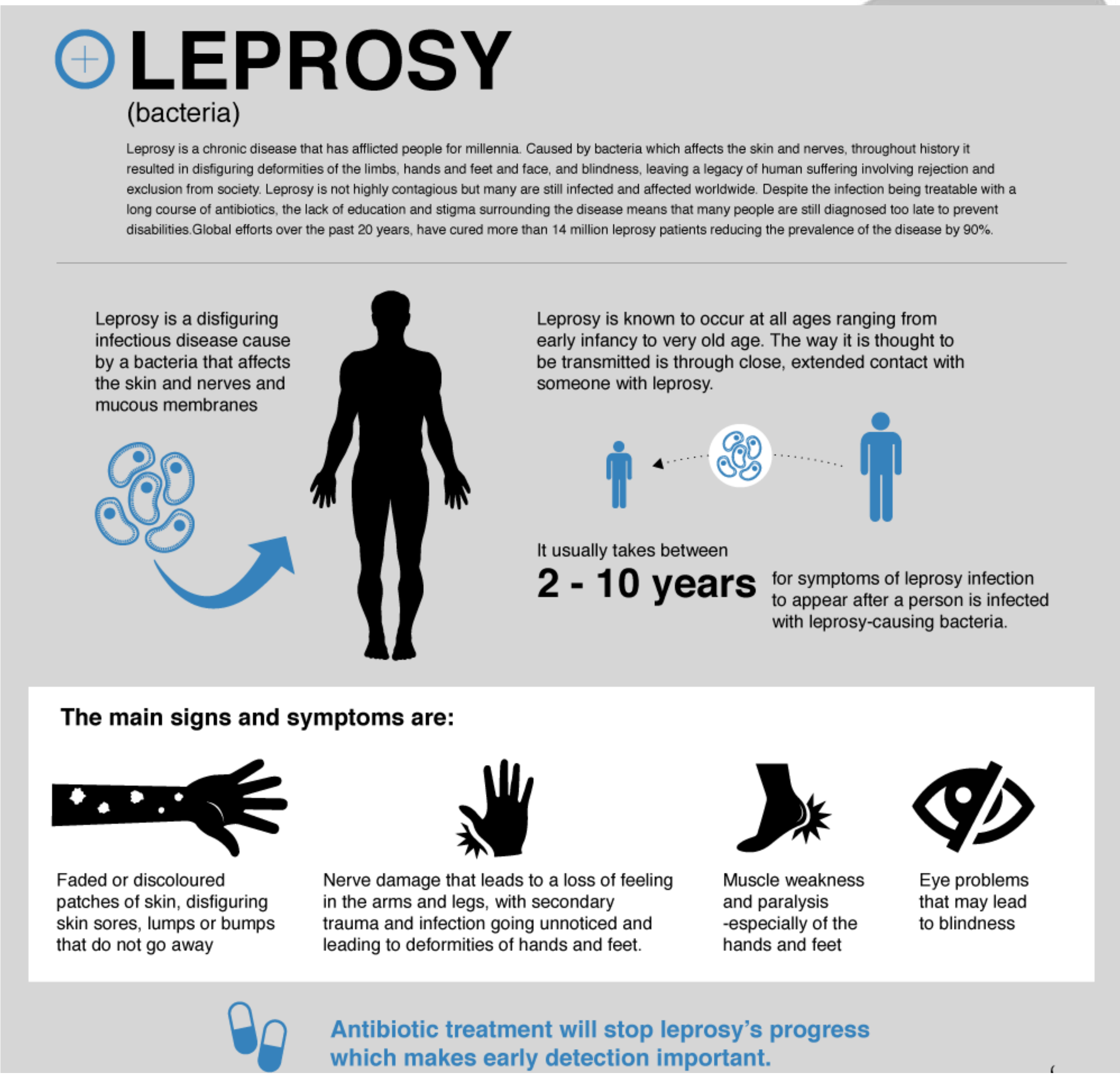

[//]()

कुष्ठ रोग:

- **कुष्ठ रोग के बारे में:**
- कुष्ठ रोग एक पुराना, प्रगतिशील जीवाणु संक्रमण है। यह 'माइकोबैक्टीरियम लेप्रे' नामक जीवाणु के कारण होता है, जो एक 'एसिड-फास्ट रॉड' के आकार का बेसिलस है। यह मुख्य रूप से हाथ-पाँव, त्वचा, नाक की परत और ऊपरी श्वसन पथ की नसों को प्रभावित करता है। इसे हैनसेन डिजीज़ के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह त्वचा के अल्सर, तंत्रिका क्षति और मांसपेशियों को कमज़ोर करता है। यदि समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए तो यह गंभीर विकृति और विकलांगता का कारण बन सकता है।
  - यह इतिहास में दर्ज सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है।
  - यह कई देशों विशेष रूप से भारत सहित उष्णकटिबंधीय या उपोष्णकटिबंधीय जलवायु वाले देशों में आम है।
- **रोग का प्रसार:**
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट के अनुसार, कुष्ठ रोग कई भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थानिक है, भारत में **प्रति 10,000 जनसंख्या पर 4.56 प्रतिशत वार्षिक मामले सामने आने की दर है।**
  - **भारत प्रत्येक वर्ष कुष्ठ रोग के 1,25,000 से अधिक नए रोगियों की रिपोर्ट करता है।**

संबंधित सरकारी पहल:

- **राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (NLEP):**
  - यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत केंद्र प्रायोजित योजना है।
  - भारत ने राष्ट्रीय स्तर पर एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में कुष्ठ रोग के उन्मूलन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, अर्थात् प्रति 10,000 आबादी पर 1 से कम मामले के रूप में परिभाषित किया गया है।
  - NLEP का लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रत्येक ज़िले में कुष्ठ रोग को समाप्त करना है।
- जागरूकता को बढ़ावा देने और भेदभाव के मुद्दों को संबोधित करने के लिये वर्ष 2017 में स्पर्श **कुष्ठ जागरूकता अभियान** शुरू किया गया था।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/leprosy-5